<u>उद्देश्य</u> - इस कोर्स का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्वरलिपि पद्धति, भारतीय स्वर वाद्यों एवं उसके घरानों व रागशास्त्र का विस्तृत ज्ञान देना और संगीत ग्रन्थों व संगीतज्ञों के जीवन से अवगत कराना है।

प्रथम सेमेस्टर

क्र0 सं0	**कोर्स का नाम**	**कोर्स कोड**	**अंक**	**श्रेयांक**
3	**स्वरवाद्य - रागों और तालों का अध्ययन I**	एम0पी**0**ए0एम0आई0 - 5**02**	**100**	2
	इकाई **1 -** स्वरलिपि पद्धतियों का अध्ययन एवं तुलना।			
	इकाई **2 -** भारतीय स्वर वाद्यों (तत् व सुषिर) की उत्पत्ति एवं विकास।			
	इकाई 3 - तन्त्र वाद्य के घराने।			
	इकाई **4 -** पाठ्यक्रम के रागों का पूर्ण वर्णन, तुलना एवं स्वर समूह द्वारा राग पहचानना।			
	इकाई **5 -** संगीतज्ञों (एन0 राजम, उ0 हाफिज अली खाँ, उ0 बिस्मिल्लाह खाँ, पं0 वी0जी0जोग व अन्नपूर्णा देवी) का जीवन परिचय एवं भारतीय शास्त्रीय संगीत में योगदान।			
	इकाई **6 -** मसीतखानी गत का परिचय, पाठ्यक्रम के रागों में मसीतखानी गत, स्थाई व अन्तरे के तोड़ों को लिपिबद्ध करना।			
	इकाई **7 -** रजाखानी गत का परिचय, पाठ्यक्रम के रागों में रजाखानी गत, स्थाई व अन्तरे के तोड़ों को लिपिबद्ध करना।			
	इकाई **8 -** पाठ्यक्रम की तालों के ठेकों को लयकारी (दुगुन, तिगुन, चौगुन व आड़) सहित लिपिबद्ध करना।			

नोट - विद्यार्थी प्रथम सेमेस्टर के पाठ्यक्रम के अन्तर्गत रखे गए राग व ताल के अनुरूप अध्ययन करें।

प्रथम सेमेस्टर

राग - श्यामकल्याण, जैजैवन्ती, पूरिया कल्याण, भैरव, केदार *ताल - तीनताल, आड़ाचारताल, चारताल व धमार*

सहायक/उपयोगी पाठ्य सामग्री -

1.वसन्त, संगीत विशारद, संगीत कार्यालय, हाथरस, उ**0** प्र**0** ।

2. श्रीमती शान्ति गोवर्धन, संगीत शास्त्र दर्पण ।

3. डॉ**0** लक्ष्मीनारायण गर्ग,राग विशारद(दोनों भाग), संगीत कार्यालय, हाथरस, उ**0** प्र**0** ।

4. पं**0** विष्णु नारायण भातखण्डे, भातखण्डे क्रमिक पुस्तक मालिका (सभी भाग), संगीत कार्यालय, हाथरस, उ**0** प्र**0** ।

5. श्री विनायक राव पटवर्धन, राग विज्ञान(दोनों भाग)।